

वैकल्पिक वषिय - हर्दी साहर्तिय

//

हर्दी साहर्तिय पाठ्यक्रम (UPSC, UPPCS, BPSC)

Download PDF

परश्नपत्र-1

खंड : 'क' (हर्दी भाषा और नागरी लपिका इतहास)

- अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हर्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप ।
- मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहर्तियिक भाषा के रूप में वकिस ।
- सद्दिध एवं नाथ साहर्तिय, खुसरो, संत साहर्तिय, रहीम आर्दकवर्तियों और दकखर्नी हर्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप ।
- उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लपिका वकिस ।
- हर्दी भाषा और नागरी लपिका मानकीकरण ।
- स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्र भाषा के रूप में हर्दी का वकिस ।
- भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हर्दी का वकिस ।
- हर्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी वकिस ।
- हर्दी की प्रमुख बोलर्तियों और उनका परस्पर संबंध ।
- नागरी लपिका की प्रमुख वशिषताएँ और उसके सुधार के प्रयास तथा मानक हर्दी का स्वरूप ।
- मानक हर्दी की व्याकरणिक संरचना ।

खंड : 'ख' (हर्दी साहर्तिय का इतहास)

- हर्दी साहर्तिय की प्रसंगिकता और महत्त्व तथा हर्दी साहर्तिय के इतहास-लेखन की परम्परा ।
- हर्दी साहर्तिय के इतहास के नमिनलखिति चार कालों की साहर्तियिक प्रवृत्तर्तियाँ**
 - आदकिकाल:** सद्दिध, नाथ और रासो साहर्तिय ।
प्रमुख कवर्तः चंदबरदाई, खुसरो, हेमचन्दर, वदियापतर्त।
 - भक्तिकाल:** संत काव्य धारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्तधारा और राम भक्तधारा । प्रमुख कवर्तः कबीर, जायसी, सूर और तुलसी ।
 - रीतकिकाल:** रीतिकाव्य, रीतबिद्ध काव्य, रीतमुक्त काव्य
प्रमुख कवर्तः केशव, बहारी, पदमाकर और घनानंद ।
 - आधुनिक काल:** (क) नवजागरण, गद्य का वकिस, भारतेन्दु मंडल (ख) प्रमुख लेखक : भारतेन्दु, बाल कृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मर्शर ।
(ड.) आधुनिक हर्दी कवर्तिका की मुख्य प्रवृत्तर्तियाँ । छायावाद, प्रगतर्तवािद, प्रयोगवाद, नई कवर्तिका, नवगीत, समकालीन कवर्तिका और जनवादी कवर्तिका ।
प्रमुख कवर्तः मैथलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'नरिला', महादेवी वर्मा, रामधारी सहि 'दनिकर', सच्चिदानंद हीरानंद वात्सर्तयायन 'अज्जेय', गजानन माधव मुक्तर्तबोध, नागार्जुन ।
- कथा साहर्तिय:**
 - उपन्यास और यथार्थवाद
 - हर्दी उपन्यासों का उद्भव और वकिस
 - प्रमुख उपन्यासकार : प्रेमचन्द, जैनेन्दर, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी ।
 - हर्दी कहानी का उद्भव और वकिस ।
 - प्रमुख कहानीकार : प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, सच्चिदानंद हीरानंद वात्सर्तयायन 'अज्जेय', मोहन राकेश और कृष्णा सोबती ।
- नाटक और रंगमंच :**

(क) हनिदी नाटक का उद्भव और विकास

(ख) प्रमुख नाटककार : भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद, जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश ।

(ग) हनिदी रंगमंच का विकास ।

v. आलोचना :

(क) हनिदी आलोचना का उद्भव और विकास- सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रगतवादी, मनोवश्लेषणवादी आलोचना और नई समीक्षा ।

(ख) प्रमुख आलोचक - रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा और नगेन्द्र ।

vi. हनिदी गद्य की अन्य वधाएँ: ललित नबिंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त ।

प्रश्नपत्र-2

इस प्रश्नपत्र में नरिधारित मूल पाठ्यपुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जनिसे अभ्यर्थी की आलोचनात्मक क्षमता की परीक्षा हो सके ।

खंड : 'क' (पद्य साहित्य)

- i. कबीर : कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 पद) सं. श्याम सुन्दर दास
- ii. सूरदास : भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद) सं. रामचंद्र शुक्ल
- iii. तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड), कवतावली (उत्तर काण्ड)
- iv. जायसी : पदमावत (सहिलद्वीप खंड और नागमती वयिग खंड) सं. श्याम सुन्दर दास
- v. बहारी : बहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 दोहे) सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर
- vi. मैथलीशरण गुप्त : भारत भारती
- vii. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिता और श्रद्धा सर्ग)
- viii. सूर्यकांत त्रिपाठी 'नराला' : राग-वराग (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता) सं. रामविलास शर्मा
- ix. रामधारी सहि 'दनिकर' : कुरुक्षेत्र
- x. अज्जेय : आंगन के पार द्वार (असाध्यवीणा)
- xi. मुक्तिबोध : ब्रह्मराक्षस
- xii. नागार्जुन : बादल को घरिते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरजिन गाथा ।

खंड : 'ख' (गद्य साहित्य)

- i. भारतेन्दु : भारत दुर्दशा
- ii. मोहन राकेश : आषाढ का एक दिन
- iii. रामचंद्र शुक्ल : चितामणि (भाग-1), (कवता क्या है, श्रद्धा-भक्ति) ।
- iv. नबिंध नलिय : संपादक : डॉ. सत्येन्द्र । बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचन्द, गुलाब राय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, अज्जेय, कुबेरनाथ राय ।
- v. प्रेमचंद : गोदान, 'प्रेमचंद' की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ (संपादक : अमृत राय)
- vi. प्रसाद : स्कंदगुप्त
- vii. यशपाल : दविया
- viii. फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आंचल
- ix. मन्नु भण्डारी : महाभोज
- x. राजेन्द्र यादव (सं.) : एक दुनिया समानान्तर (सभी कहानियाँ)